कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एच.ओ.एफ.एफ.), राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः एफ21(3)2013–14/विकास/प्रमुवसं/ 2599-610 दिनांक : 16/6/16

निमित्त :–

मुख्य वन संरक्षक,
जयपुर/भरतपुर/उदयपुर/कोटा/
अजमेर/बीकानेर/जोधपुर

मुख्य वन संरक्षक, (वन्य जीव),
जयपुर/भरतपुर/उदयपुर/
कोटा/जोधपुर।

विषय :– वन महोत्सव पखवाड़ा (1 जुलाई से 15 जुलाई) आयोजन के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि प्रकृति के संचालन में वृक्षों की अद्वितीय भूमिका है। सदियों से वृक्ष हमें शरीर को रोग मुक्त करने के लिए अमूल्य औषधियाँ, असंख्य जीव जन्तुओं को आश्रय, इमारती लकड़ी एवं ईंधन प्रदान करते रहे हैं साथ ही साथ वृक्ष हमें सांस लेने के लिए बहुमूल्य ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वर्तमान में बढते शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण से सम्पूर्ण विश्व पर्यावरण असन्तुलन की समस्या से जूझ रहा है। वृक्षों की घटती संख्या से वायुमण्डल में कार्बन डाई ऑक्साइड एवं ऑक्सीजन गैस का अनुपात बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। पर्यावरण में असंतुलन का ही नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में औसत तापमान में वृद्धि, जलस्तर में कमी, सूखा, बाढ़ एवं जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्यायें जन्म ले चुकी है। पर्यावरण के असंतुलन का मुख्य कारण वृक्षों की घटती संख्या है।

अतः हमें पर्यावरण सुधारने के लिए वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम को जन आन्दोलन का रूप देना होगा। राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान का महत्वपूर्ण कार्यक्रम जन सहयोग से प्रारम्भ किया गया है निर्देशानुसार अभियान के अंतर्गत जिन क्षेत्रों में मृदा एवं जल संरक्षण कार्य किये गये हैं **वहां पर मानसून के दौरान वृक्षारोपण का वृहत कार्यक्रम चलाया जावे।**

प्रदेश में प्रति वर्ष आमजनमें वृक्षों के रोपण हेतु जनजागृति के उद्देश्य से वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। राज्य में वर्षा की अनिश्चितता से वन महोत्सव कार्यक्रम भी विलम्ब से आयोजित हो पाते हैं। इस वर्ष प्रदेश में मानसून की अच्छी बरसात होने का अनुमान है। अतः राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 1 जुलाई से 15 जुलाई तक वन महोत्सव पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसके अन्तर्गत जिलास्तर, तहसील स्तर, पंचायत समिति स्तर पर वन महोत्सव कार्यक्रम सरकारी संस्थान, पंचायत समिति की भूमि तथा स्कूलों के प्रांगण में सघन वृक्षारोपण, युवा शक्ति के उपयोग एवं जन सहयोग से किया जावे। वृक्षारोपण स्थल में उन स्थलों को प्राथमिकता दी जावेगी जहां बाउन्ड्रीवॉल निर्मित है एवं पानी की व्यवस्था हो।

- वन महोत्सव पखवाडे हेतु स्थानीय भामाशाहों, जन प्रतिनिधियों, संस्थाओं, एन.सी.सी. कैडट्स, ईको क्लब्स, स्काउट एवं गाईड, ई.डी.सी., वी.एफ.पी.एम.सी. तथा आम जन को जोडा जावे।
- प्रत्येक वन मण्डल में क्षेत्रीय वन अधिकारी स्तर पर वृक्षारोपण पखवाडा मनाये जाने हेतु स्थल की पहचान, रोपित किये जाने वाले पौधों आदि का विवरण तैयार किया जावे।

- पौधारोपण हेतु खड्डे खुदाई का कार्य वृक्षारोपण से पूर्व पूर्ण कर लिया जावे।
- प्रत्येक स्थल के लिए तिथिवार कार्यक्रम बनाकर संबंधित को प्रेषित कर उक्तांकित तिथि को पौधारोपण करवाया जावे। पौधारोपण कार्यक्रम में अधिकाधिक जन प्रतिनिधियों, जन साधारण, विद्यार्थियों व ग्राम पंचायतों को जोडा जावे।
- रोपित पौधों के संधारण/सुरक्षा हेतु जिम्मेदारी, संबंधित संस्था को दी जावे।
- वन महोत्सव पखवाडे के दौरान प्रचार–प्रसार हेतु स्कूली विद्यार्थियों की एक रैली भी निकाली जावे।
- पौधों की सुरक्षा हेतु राज्यादेश क्रमांक प.9(1)वन/2012 दिनांक 22 मई, 2015 के अनुसार क्षेत्र के भामाशाहों से कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक कराकर वृक्षारोपण हेतु आवश्यक धनराशि, ट्री–गार्ड इत्यादि के क्रय की कार्यवाही करावें तथा भामाशाहों से पौधों के परिवहन इत्यादि में सहायता प्राप्त की जाय।
- वृक्षारोपण स्थल पर नियमानुसार विभागीय नर्सरियों में तैयार किये गये पौधों के कीमतन विक्रय की व्यवस्था करावें, ताकि आस–पास के लोग पौधों को रोपित कर सकें।

राज्य में इस अभियान से वृक्षारोपण के प्रति जागृति उत्पन्न होगी तथा लोगों की सहभागिता में वृद्धि होगी और सबके सहयोग से निःसन्देह राज्य को हरा–भरा करने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

अतः वर्षा काल में हम सब मिलकर अधिक से अधिक पौधे लगाकर जीवन की खुशहाली के लिए वन महोत्सव मनायें।

भवदीय,

15/6

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
(एच.ओ.एफ.एफ.),
राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः एफ21(3)2013–14/विकास/प्रमुवसं/ 2611–685 दिनांक : 16/6/16

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. शासन सचिव, वन विभाग, शासन सचिवालय, राजस्थान, जयपुर।
2. संभागीय आयुक्त, जयपुर/भरतपुर/अजमेर/कोटा/बीकानेर/जोधपुर/उदयपुर
3. जिला कलक्टर समस्त, राजस्थान
4. उप वन संरक्षक, अजमेर/चित्तौडगढ़/भीलवाड़ा/टोंक/नागौर/भरतपुर/करौली/सवाई माधोपुर/धौलपुर/बारां/कोटा/झालावाड़/बून्दी/जोधपुर/जालौर/पाली/बाड़मेर/जैसलमेर/सिरोही/उदयपुर/प्रतापगढ़/डूंगरपुर/बांसवाड़ा/राजसमन्द/बीकानेर/चूरू/गंगानगर/हनुमानगढ़/जयपुर/अलवर/सीकर/दौसा/झुन्झुनू/परियोजना (टोंक)

15/6

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
(एच.ओ.एफ.एफ.),
राजस्थान, जयपुर